Impact Factor (QJIF): 8.38 E-ISSN: 2583-7206, P-ISSN: 3049-2432

International Journal of All Subject Research

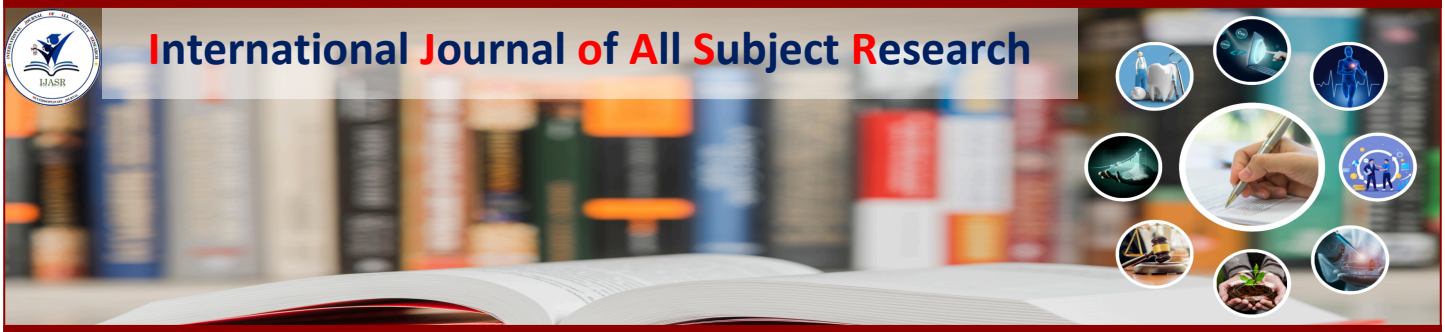

Received: 30/April/2026 **IJASR:** 2026; 5(4):04-07 **Accepted:** 05/June/2026

मध्यप्रदेश के चयनित चीनी उद्योगों के कोष प्रवाह विवरण का विश्लेषणात्मक अध्ययन (मध्य प्रदेश राज्य के संदर्भ में)

***[1]दिनेश कुमार दुबे**

*[1]सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग, स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नरसिंहपुर, मध्य प्रदेश, भारत।

सारांश

हमारे आर्षवाड़गमय में एक उक्ति है ''उद्योगे बसति लक्ष्मी'' ऐसा कहा जाता है कि जहाँ पर लक्ष्मी का निवास होता है वहाँ सारी निधियों, सिद्धियों, रिद्धियों की बाहुल्यता रहती है। लक्ष्मी जी का निवास भी वहीं होता है जहाँ उद्योगों की विपुलता है। 'उद्योग' नामक शब्द में बहु आयाम, बहु अर्थ समाहित हैं। शोधार्थी द्वारा मध्यप्रदेश एवं अध्ययन क्षेत्र नरसिंहपुर जिले की चयनित चीनी मिलों की वित्तीय संरचना का अध्ययन प्रस्तुत किया है। इन चीनी मिलों से प्राप्त आंकड़ों का कोष प्रवाह विधि के माध्यम से परीक्षण कर निष्कर्ष पर पहुंचा गया है। कोष प्रवाह को दो भागों में विभाजित किया जाता है। आर्थिक चिट्ठे के आधार पर दो वर्षों की चालू सम्पत्ति एवं चालू दायित्वों में परिवर्तन के आधार पर कार्यशील पूंजी में वृद्धि/कमी ज्ञात की जाती है एवं स्थायी सम्पत्ति एवं स्थायी दायित्वों को कोष प्रवाह विवरण के रूप में प्रदर्शित किया जाता है। नरसिंहपुर नगर नरसिंहपुर जिले का मुख्यालय है। जिले का अधिकांश भाग कृष्य भूमि से आवृत्त है। यहाँ कृषि का स्वरूप उन्नत अवस्था है। लेकिन उद्योग के क्षेत्र में 'सी' श्रेणी प्राप्त औद्योगिक जिला है। कृषि आधारित उद्योगों की बाहुल्यता नहीं है। कृषि अवलम्बित तेल उद्योग, दाल उद्योग, खाण्डसारी एवं गुड़ उद्योग, कृषि सहायक उद्योग के अंतर्गत कृषि उपकरण निर्माण तथा कृषि सेवा उद्योग से संबंधित ट्यूबवेल को ड्रीलिंग कलपुर्जों की मरम्मत आदि की औद्योगिक अथवा लघु औद्योगिक इकाईयाँ कार्यरत हैं। कुछ खाण्डसारी मिल्स भी गन्ना की फसल खांडसारी के रूप में उत्पादन करती हैं।

मुख्य शब्द: चीनी उद्योग, कोष प्रवाह, गुड़ एवं खाण्डसारी उद्योग, मध्यम एवं लघु इकाईयां।

प्रस्तावना

वर्तमान परिपेक्ष्य में प्रदेश के अनेक जिलों में गन्ना की फसल का प्रचलन उन्नतिशील अवस्था में है। प्रदेश के छिंदवाड़ा, देवास, ग्वालियर, सागर, जबलपुर, मुरैना, नरसिंहपुर, सतना, सीहोर, शाजापुर, शिवपुरी, उज्जैन, श्योपुर आदि जिलों की एक महत्वपूर्ण व्यापारिक फसल है। प्रदेश में गन्ने की फसल का 76 प्रतिशत उत्पादन 27 प्रतिशत जिलों में किया जाता है, जो कि चीनी उद्योगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश में प्रमुख रूप से वाणिज्यिक फसलों में सरसों, सोयाबीन, कपास और गन्ना शामिल हैं। मध्यप्रदेश भारत में सोयाबीन का सबसे बड़ा उत्पादक है। सरसों का उत्पादन पिछले वर्ष 2020-21 से 2021-22 में 29.38 प्रतिशत की उछाल दिखाते हुए 1307 हजार मेट्रिक टन से बढ़कर 1691 हजार मेट्रिक टन हो गया। सोयाबीन का उत्पादन वर्ष 2020-21 में 3370 हजार मेट्रिक टन से 60% बढ़कर वर्ष 2021-22 में 5392 हजार मेट्रिक टन हो गया। गन्ने का उत्पादन वर्ष 2020-21 में 544 हजार मेट्रिक टन रहा जो वर्ष 2021-22 में 19.67% बढ़कर 651 हजार मेट्रिक टन हो गया। कपास फसल का रकबा पिछले वर्ष के 588 हजार हेक्टेयर से घटकर अगले वर्ष 560 हजार हेक्टेयर रह गया।

इस प्रकार देखा जाये तो चीनी उत्पादन में मध्यप्रदेश का स्थान भारत में 6वे नम्बर पर है। यद्यपि मध्यप्रदेश में चीनी उत्पादन के पर्याप्त स्रोत उपलब्ध हैं, किन्तु प्राकृतिक रूप से गन्ने की फसल प्राय: प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र में अधिक मात्रा में किया जाता है, अन्य क्षेत्रों में गन्ने का उत्पादन कम होने से तथा चीनी मिलों का स्थानीयकरण न होने से चीनी उत्पादन प्रभावित हुआ है।

नरसिंहपुर जिले में नवीन वैज्ञानिक तकनीकियों के औद्योगिक क्षेत्र में समावेश से उत्पादन में आशातीत सफलता मिली है। इससे उद्योगों की दशा एवं दिशा में आमूलचूल परिवर्तन देखने को मिला है। यदि हम उद्योगों के अतीत में झांकने से और आज की स्थिति में तुलनात्मक अध्ययन करने से जमीन-आसमान का अंतर स्पष्ट समझ में आता है। किसी उद्योग के निमित्त कुछ अनिवार्य कारकों के साथ-साथ अन्य कारकों की भी आवश्यकता होती है। अन्य कारकों में विज्ञान एवं इंजीनियरिंग की दक्षता, सरकार की नीति (व्यापार, शुल्क दर, व्यापारिक समझौते, सरकारी संरक्षण एवं उपादान, श्रमिक प्रशिक्षण, श्रम न्यायालय, औद्योगिक अनुसंधान), ऐतिहासिक एवं व्यक्तिगत कारक तथा संगठनात्मक अनुभव है। इन कारकों के समावेश से उद्योगों के क्षेत्र में नवीनता का आभास होता है। लेकिन

***Corresponding Author:** दिनेश कुमार दुबे

अध्ययन क्षेत्र के परिवेश में कृषि आधारित उद्योगों में विकास संबंधी नवीनीकरण हुआ है।

नरसिंहपुर जिले में संचालित चीनी उद्योगों में चीनी उत्पादन के साथ-साथ अन्य उपोत्पादों जैसे बगास, खोई, प्रेमसड, मोलासिस आदि का उत्पादन भी अच्छी मात्रा में किया जाता है। इन चीनी मिलों में गन्ना की पिराई के पश्चात् प्राप्त होने वाले उत्पाद/उपोत्पादों को निम्न तालिका से समझा जा सकता है। यहां चीनी मिलों में प्रति 100 टन गन्ना पिराई उपरांत प्राप्त होने उपोत्पादों की मात्रा को प्रदर्शित किया गया है।

तालिका 1: चीनी मिलों में प्रति 100 टन गन्ना पिराई पश्चात् उत्पादित उत्पाद/उपोत्पाद की मात्रा

उत्पाद/उपोत्पाद	प्रतिशत	प्राप्ति की मात्रा
शुगर	10 प्रतिशत	10 टन
बगास	30 प्रतिशत	30 टन
प्रेसमड	5 प्रतिशत	5 टन
मोलासिस	5 प्रतिशत	5 टन
बाटर	50 प्रतिशत	50 टन लीटर

स्रोत:- *सर्वेक्षण के आधार पर।*

उपर्युक्त तालिका एवं ग्राफ से स्पष्ट होता है कि अध्ययन क्षेत्र नरसिंहपुर जिले की चीनी मिलों में प्रति 100 टन गन्ना की पिराई उपरांत प्राप्त होने वाले उत्पाद/उपोत्पाद की मात्रा को प्रदर्शित किया गया है। 100 टन गन्ना की पिराई में 10 प्रतिशत शुगर, 30 प्रतिशत बगास, 5 प्रतिशत प्रेसमड, 5 प्रतिशत मोलासिस तथा 50 टन लीटर बाटर प्राप्त होता है। नरसिंहपुर जिले में संचालित चीनी मिल नर्मदा शुगल मिल की वित्तीय संरचना का अध्ययन विगत वर्षों की ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर किया गया है। चीनी मिल में मुख्य उत्पाद चीनी के अतिरिक्त अन्य उपोत्पादों के उत्पादन से मिल को होने वाले लाभ व आय में वृद्धि को निम्न तालिका के माध्यम से समझा जा सकता है ।

तालिका 2: मुख्य उत्पाद चीनी के अतिरिक्त अन्य सह-उपोत्पादों का वित्तीय विश्लेषण (नर्मदा शुगर प्राइवेट लिमिटेड की वित्तीय संरचना) (वित्तीय वर्ष 2019-20 से 2021-22 तक) (राशि करोड़ रू. में)

क्रं.	मुख्य एवं सह-उपोत्पाद	वित्तीय वर्ष					
		2019-20	%	2020-21	%	2021-22	%
01	शुगर	229.76	78.97	174.7	56.58	366.86	71.33
02	मोलासिस	0.05	0.02	0.02	0.01	1.11	0.22
03	बगास	0.14	0.05	0.21	0.07	0.52	0.10
04	प्रेसमड	3.1	1.07	43.7	14.15	51.13	9.94
05	इथेनाल	57.88	19.89	90.11	29.19	92.69	18.02
	कुल आय	290.9	100	308.7	100	512.31	100

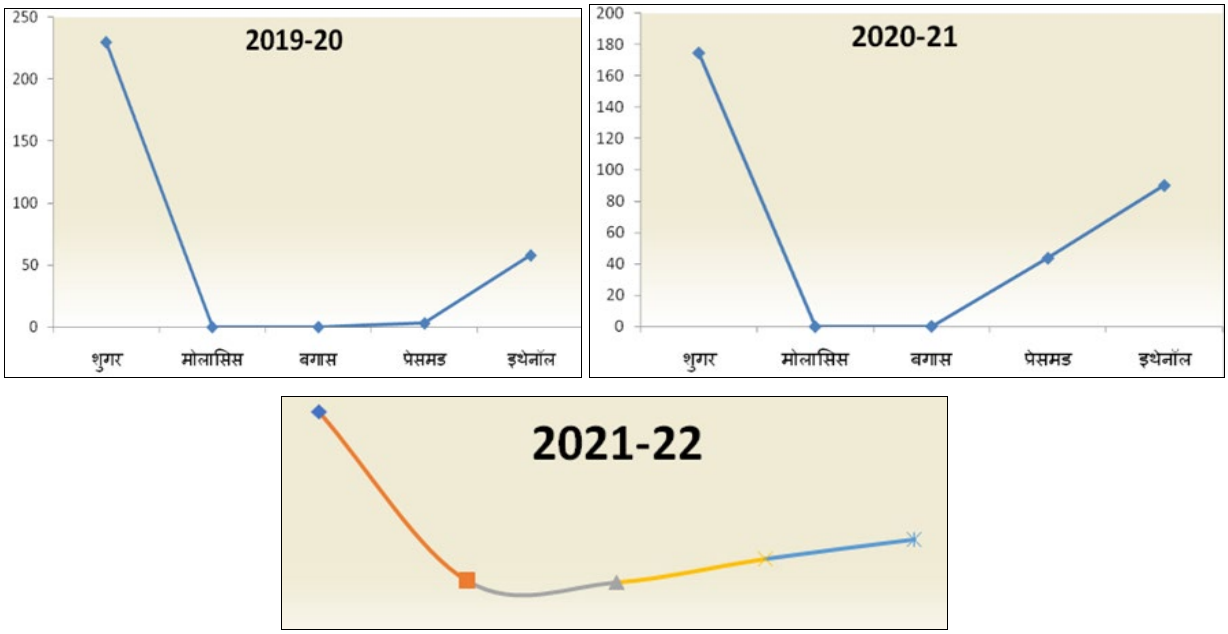

आरेख: मुख्य उत्पाद चीनी के अतिरिक्त अन्य सह-उपोत्पादों का वित्तीय विश्लेषण

उपर्युक्त तालिका एवं ग्राफ से स्पष्ट होता है कि नर्मदा शुगर प्राइवेट लिमिटेड में उत्पादित मुख्य उत्पाद शुगर के अतिरिक्त अन्य सह-

उपोत्पाद से मिल को अतिरिक्त लाभ प्राप्त हो रहा है। वित्तीय वर्ष 2019-20 में जहां आय 290.93 करोड़ रू. थी, वह वर्ष 2020-21 में बढ़कर 308.74 करोड़ रू. एवं वित्तीय वर्ष 2021-22 में उपोत्पादों से आय 512.31 करोड़ रू. हो गयी। अर्थात् विगत 03 वर्षों की वित्तीय संरचना में चीनी उद्योग के लाभ में वृद्धि परिलक्षित हो रही है।

कोष प्रवाह

कोष प्रवाह विश्लेषण से किसी व्यवसायिक संस्था के वित्तीय विवरण, संस्था की लाभार्जन क्षमता, कार्यकुशलता तथा वित्तीय स्थिति के बारे में वास्तविक, पूर्ण तथा आवश्यक सूचनाएं प्राप्त की जा सकती हैं, जो कि अत्यंत उपयोगी होने के साथ-साथविश्वसनीय भी होती है। कभी-कभी इस बात का पता नहीं चल पाता कि संस्था के पास जो धन है, वह कहां से आया ? तथा उसका उपयोग कहां हुआ ? तथा कैसे किया गया ? इन्हीं कारणों की जानकारी के लिए संस्था में जो प्रबंधकीय तकनीक प्रयोग में लायी जाती है, वह है कोष प्रवाह विवरण जिसे कोष प्रवाह विश्लेषण भी कहा जाता है।

फ्लो चार्ट कोष प्रवाह

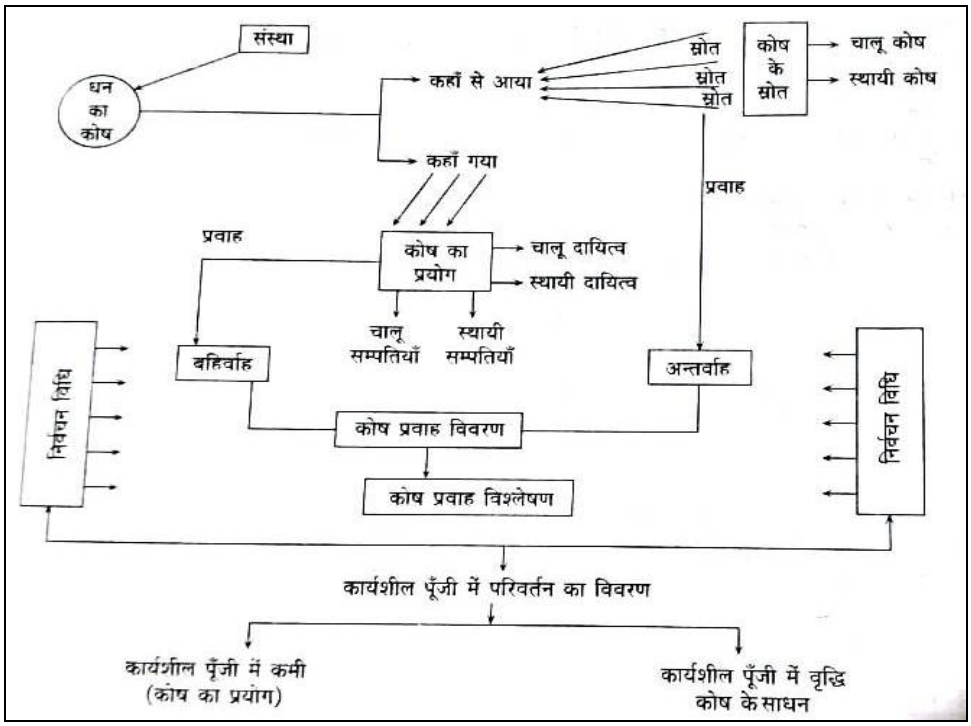

चयनित चीनी मिलों में विगत दो वर्षों के आय-व्यय के आंकड़ों के आधार पर लेखांकन पद्धति के तहत कोष प्रवाह को यहां विश्लेषित किया जाना उचित होगा। शोधार्थी ने शोध प्रविधि के अंतर्गत चीनी मिलों के उपोत्पादो से कोष प्रवाह में वृद्धि होती है परिकल्पना को चयनित किया है। अत: उक्त परिकल्पना के तहत अध्ययन क्षेत्र नरसिंहपुर की नर्मदा शुगर एंड पॉवर मिल नरसिंहपुर के विगत दो वर्षों 2020-21 एवं 2021-22 की ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर कोष प्रवाह ज्ञात किया गया है।

तालिका 3

Fund Flow Analysis Narmda Sugar Mills Narsinghpur			
Rs. in Crore			
Particulars	**2020-21**	**2021-22**	**Diff. (+/-)**
I. Equity and Liabilities			
(1) Shareholder's Funds			
(a) Share Capital	2.28	2.28	0
(b) Reserves and Surplus	159.6	213.15	53.55
(3) Non-Current Liabilites			
(a) Long-term Borrowings	134.11	72.51	-61.6
(b) Deferred Tax Liabilities (Net)	7.65	7.96	0.31
(C) Other Long term Liablities	0.34	0.35	0.01
(4) Current Liabilities			0
(a) Sort-term Borrowings	5.08	34.02	28.94
(b) Trade Payables			
I) Micro Enterprises & Small Enter.	0.18	0.42	0.24
II) Others	79.1	80.89	1.79
(c) Other Current Liablities	15.85	3	-12.85
(d) Short-Term Provisions	4.28	2.68	-1.6
	408.47	417.26	8.79
II. Assets			

(1) Non-Current Assets			
(a) Tangible Assets			
(iii) Net Block	178.41	162.27	-16.14
(b) Capital Work in Progress	0		0
(c) Non-Current Investment	0.27	0.28	0.01
(d) Deferred tax assets (net)	0.42	0.86	0.44
(e) Long term loans and advances	3.31	8.29	4.98
(2) Current Assets			
(a) Inventories	124.49	106.58	-17.91
(b) Trade receivables	14.16	14.83	0.67
(c) Cash and cash equivalents	6.61	0.48	-6.13
(d) Short-term Loans and advances	52.43	97.52	45.09
(e) Other current assets	28.37	26.15	-2.22
Total Assets	408.47	417.26	8.79
Total Current Assets	226.06	245.56	19.5
Total Current Liablities	104.49	121.01	16.52
Working Capital (Increase)	121.57	124.55	2.98

अ. कोष प्रवाह विवरण दो भागों में विभाजित होता है। आर्थिक चिट्ठे के आधार पर दो वर्षों की चालू सम्पत्ति एवं चालू दायित्वों में परिवर्तन के आधार पर कार्यशील पूंजी में वृद्धि/कमी ज्ञात की जाती है एवं स्थायी सम्पत्ति एवं स्थायी दायित्वों को कोष प्रवाह विवरण के रूप में प्रदर्शित किया जाता है। इसे खाता एवं विवरण दोनों स्वरूपों में प्रदर्शित किया जाता है।

तालिका 4

Funds Flow Statement For the Year 2021-22	
Narmda Sugar Mills Narsinghpur	
Rs. In Crore	
I) Sources of Funds	**2021-22**
Fund from Opretion (Profit &Reserves and Surplus)	53.55
Deferred Tax Liabilities (Net)	0.31
Non-Current Assets Decrease	16.14
Total - Sources of Funds	**70.01**
2) Use of Funds	
Long-term Borrowings (Decrease)	61.6
Other Long term Liablities (Increase)	0.01
Deferred tax assets (net) (Increase)	0.44
Long term loans and advances (Increase)	4.98
Working Capital (Increase)	2.98
Total - Use of Funds	70.01

उपर्युक्त कोष प्रवाह विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि नर्मदा शुगर एंड पॉवर मिल नरसिंहपुर के वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 के आर्थिक चिट्ठे में वर्णित स्थायी सम्पत्तियों एवं स्थायी दायित्वों में वृद्धि एवं कमी तथा चालू सम्पत्तियों में कमी एवं वृद्धि के आधार पर कोष प्रवाह विवरण तैयार किया गया है। इसमें वर्ष 2020-21 की चालू सम्पत्ति 226.06 करोड़ रू. से बढ़कर वर्ष 2021-22 में 245.56 करोड़ रू. हो गयी। कुल चालू सम्पत्ति में वृद्धि 19.05 करोड़ रू. है। इसी प्रकार वर्ष 2020-21 की चालू दायित्व 104.49 करोड़ रू. से बढ़कर वर्ष 2021-22 में 121.01 करोड़ रू. हो गये हैं। कुल चालू दायित्वों में वृद्धि 16.52 करोड़ रू. है। इस प्रकार चालू सम्पत्ति में शुद्ध वृद्धि 19.05 करोड़ रू. में चालू दायित्वों में शुद्ध वृद्धि 16.52 करोड़ रू. को घटाने से शुद्ध कार्यशील पूंजी 2.98 करोड़ रू. परिलक्षित होती है, इसे कोष का प्रयोग माना जाता है। कोष प्रवाह विवरण में स्थायी सम्पत्तियों में वृद्धि एवं स्थायी दायित्वों में कमी भी कोष का प्रयोग माना जाता है एवं स्थायी सम्पत्तियों में कमी एवं स्थायी दायित्वों में वृद्धि व वर्ष के लाभ में वृद्धि कोष का स्रोत माने जाते हैं।

नर्मदा शुगर एंड पॉवर मिल नरसिंहपुर के उपर्युक्त कोष प्रवाह के अध्ययन से स्पष्ट है कि चीनी मिल में उत्पादित उपोत्पाद जैसे बगास, मोलासिस, प्रेसमड, इथेनॉल आदि से मिल के कोष प्रवाह में वृद्धि हो रही है। मिल की की कुल आय में उपोत्पादों की सहभागिता 20 प्रतिशत के लगभग आंकी गयी है। जिससे मिल की स्थायी एवं कार्यशील पूंजी में लगातार सुधार हो रहा है।

उपर्युक्त विवरण के आधार पर यह सिद्ध होता है कि नर्मदा शुगर मिल की कार्यशील पूंजी में वृद्धि परिलक्षित हो रही है। निष्कर्षत: यह कहा जा सकता है कि उद्योग को मुख्य उत्पाद एवं सह उपोत्पादों से कोष प्रवाह में वृद्धि हो रही है।

संदर्भ सूची

1. पाण्डेय, प्रो. श्रीधर, आधुनिक भारत का आर्थिक इतिहास, मोतीलाल बनारसी दास दिल्ली, वर्ष 2010 ।
2. जैन जिनेन्द्र कुमार (1992): मध्यप्रदेश में शक्कर उद्योग का आर्थिक अध्ययन, पी. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
3. राव वी.एस. एवं डाबर (1972): मध्यप्रदेश का आर्थिक विकास, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल.
4. श्रीवास्तव, पी.एल, (2012), मध्यप्रदेश का औद्योगिक विकास, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल।
5. शर्मा राजेन्द्र (1992): मध्यप्रदेश विकास वार्षिकी, स्वदेश प्रकाशन, भोपाल.
6. वाष्र्णेय पी.एन. (2005): बैंकिग विधि एवं व्यवहार, सुल्तान चंद एण्ड संस, नई दिल्ली.
7. दुबे डॉ.एस.एन. (2003): आर्थिक विकास एवं नियोजन, जबलपुर, सुमित पब्लिकेशन.